सफलता की कहानी

झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी, के सहयोग से दातू गाँव, बोकारो की अंशु कुमारी ने कस्टमर केयर के क्षेत्र में स्थापित की अपनी पहचान

किसी व्यक्ति की शिक्षा–दीक्षा उसके जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा के कारण ही मनुष्य का व्यक्तित्व विकास हो पाता है और वह अपने कैरियर को भी नई दिशा दे सकता है। वैसे तो शैक्षणिक परिवेश गाँव और शहर में एकसमान ही होनी चाहिए लेकिन कभी–कभी गाँवो में शिक्षा प्राप्त करने वाले लोगों को शहरों में आकर अपना कैरियर ढूँढने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण माहौल में अच्छी शिक्षा लेने के बावजूद भी सॉफ्ट स्किल यानि बोलचाल की भाषा, बॉडी लैंग्वेज, कम्प्यूटर ज्ञान, हाव–भाव आदि के विषय पर विशेष ज्ञान नहीं प्राप्त हो पाता है।

ऐसी ही एक कहानी है बोकारो जिला के दातू गाँव की किसान पिता– श्री शंकर नायक की पुत्री– अंशु कुमारी की। किसान पिता ने अपने दम–खम पर अपनी होनहार बेटी के इन्टर तक की पढ़ाई पूरी कराई। तीन बहन ,एक छोटे भाई और माता–पिता यानि कुल छः सदस्यों वाले बड़े परिवार की अगुवाई कर रहे अंशु के पिता ने इन्टर के बाद अंशु की पढ़ाई के लिए खर्च कर पाने से हाथ खड़े कर दिए। खेती कर अपनी आजीविका चला रहे आभावों से ग्रस्त अंशु के पिता के सामने अब अंशु के लिए भी उसकी दो बड़ी बहनों के सामान शादी ही एकमात्र विकल्प था। परिवार की इस कशमकश और पिता की सीमित आमदनी होने के कारण अंशु को वर्ष 2017 में इन्टर तक की पढ़ाई के बाद अपनी पढ़ाई रोकनी पड़ी। पढ़ाई–लिखाई में रूचि रखने वाली अंशू को अपनी पढ़ाई बीच में रोकना काफी नागवार गुजर रहा था।

इसी बीच झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाइटी, के प्रशिक्षण प्रदाता संस्था JIS Foundation की गोला, रामगढ़ स्थित दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र के उत्प्रेरकों ने अंशु के गाँव में कौशल विकास कार्यक्रम के लिए प्रचार–प्रसार का अभियान चलाया। अंशु को अपने एक सहेली के माध्यम से कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव में नामंकन के लिए जानकारी के संबंध में एक पम्पलेट हाथ लगा। कागज का यह टुकड़ा अंशु के लिए भविष्य की कुंजी के सामान साबित हुआ। अंशु ने स्वयं कौशल प्रशिक्षण केन्द्र पर जाकर जानकारी लेनी शुरू की। अंशु को प्रशिक्षण पूरी तरह से निःशुल्क होने तथा प्रशिक्षण के दौरान आवासन और भोजन भी पूरी तरह से निःशुल्क होने की जानकारी दी गई।

अंशु ने बिना विलंम्ब किये अक्टूबर 2018 में अपना नामांकन कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव ट्रेड में करवा लिया। पढ़ाई लिखाई में होनहार अंशु ने फरवरी 2019 में लगभग चार महीने का प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किया। प्रशिक्षण पूरा करने के उपरान्त जुलाई 2019 में प्रशिक्षण केन्द्र में आयोजित कैम्पस प्लेसमेन्ट ड्राईव में अंशु का चयन TATA MOTORS , BUDDHIYA AGENCY. राँची में प्रतिमाह 10,500/– (दस हजार पाँच सौ रूपये) के वेतनमान पर हो गया। वर्त्तमान में अंशु अपनी कम्पनी में एक कुशल कर्मचारी के रूप में कार्यरत है। अंशु प्रोसेस कॉलिंग, कस्टमर फीडबैक, कस्टमर रिलेशनशिप आदि की जिम्मेवारी निभाती है। अपने पढ़ाई के जुनून को भी अंशु ने फिर से गति देकर इग्नू के दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के तहत् स्नातक में नामांकन कराया है। साथ ही साथ अंशु अपने पिता को भी आर्थिक सहयोग करना शुरू कर दिया है और अपने छोटे भाई की पढ़ाई की जिम्मेवारी भी उठा रही है।

इस प्रकार अंशु ने अपने मेहनत और लगन से अपनी जीवन को नई दिशा देने में सफल रही है। झारखण्ड कौशल विकास मिशन सोसाईटी की ओर से अंशु को उनके उन्नत भविष्य की अनन्त शुभकामनाएँ।

****